एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -14, माह - फरवरी 2024

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा-वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

एस.आर.यू में बसंत पंचमी के पवित्र पर्व पर भारतीय सांस्कृतिक परम्परानुरूप दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ,कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा , कला विभाग के डीन डॉ.मनीष वर्मा और शिक्षा विभाग के प्राचार्य प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव ने सभी को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन में वि.वि के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह जी ने विद्या की देवी माँ सरस्वती को नमन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह पर अंकित ध्येय वाक्य "सत्यं ज्ञानं अनंतम्" में निहित संदर्भों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्य और ज्ञान दोनों ही अनंत है। ज्ञान के आदान-प्रदान द्वारा सत्य का साक्षात्कार शैक्षणिक संस्थानों में ही संभव है। शैक्षणिक संस्थान विद्या के मंदिर हैं, जहाँ विद्यार्थी विद्यारूपी अमृत पान कर उर्जस्विता और आनन्द की अनुभूति करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि उपाधि प्राप्त करना और उपाधि के योग्य बनना दो पृथक बातें हैं, विद्यार्थियों को उपाधि के योग्य बनने के लिए ज्ञानार्थी होना परमावश्यक है।

मंचासीन वि.वि के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा जी ने सभी शिक्षार्थियों और आचार्यों को बसंत पंचमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार श्री राम अपने गुरु वशिष्ठ के संकल्पों को पूर्ण करने हेतु भगवान् श्री राम बन गए, उसी प्रकार सभी विद्यार्थियों को अपने संकल्पों को ध्यान में रखते हुए अपने माता- पिता, गुरु और शैक्षणिक संस्था का मान हमेशा बनाये रखना होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती वंदना तथा गणेश वंदना पर ग्रुप डांस किया गया जबकि नर्सिंग विभाग की छात्रा वृंदा ने नृत्य के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। शिक्षा विभाग द्वारा बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम जी ने सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

एस.आर.यू के 19 विद्यार्थियों का लेंसकार्ट में ओप्टोमेट्रिस्ट पद के लिए चयन

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षार्थियों की परिकल्पना को साकार करने के लिए अग्रसर है और इसी श्रृंखला में शैक्षणिक पाठ्यक्रम की पूर्णता को सार्थक बनाने हेतु अनेक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किये गए, जिसमें 350 से अधिक विद्यार्थियों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में हुआ है। ध्यातव्य हो कि एस.आर.यू में 12 जनवरी 2024 को लेंसकार्ट द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में विज्ञान संकाय के हेल्थ एंड अलाइड साइंस विभाग के 27 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर कम्पनी द्वारा आयोजित साक्षात्कार में भाग लिया था। प्लेसमेंट ड्राइव के परिणामस्वरुप विश्वविद्यालय के कुल 19 विद्यार्थियों का ओप्टोमेट्रिस्ट पद के लिए चयन हुआ।चयनित विद्यार्थियों में बैचलर ऑफ ओप्टोमेट्री के धनेश मनहार, प्रीति कामत, अंजलि तुमडे, वंशिता मेश्राम, राकेश रोशन बेहरा, ज्योति गजेंद्र, कविता पाल, रोशनी, सुमन साहू, भारती साहू, चैतन्य सिंह राजपूत, आदित्य तिवारी, भूमि राजपूत, जैललिता मानिकपुरी, राखी गोस्वामी, निकिता मंडल और सेजल को लेंसकार्ट द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किया गया। सभी चयनित विद्यार्थी राज्य के प्रतिष्ठित लेंसकार्ट आउटलेट्स जैसे रायपुर, भिलाई, रायगढ़ एवं अन्य आउटलेट्स में ओप्टोमेट्रिस्ट पद की भूमिका निभाएंगे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो.एस.के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

एस.आर.यू के सहायक प्रोफेसर डॉ. हितेश कुमार देवांगन का लिखित अध्याय अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन में शामिल

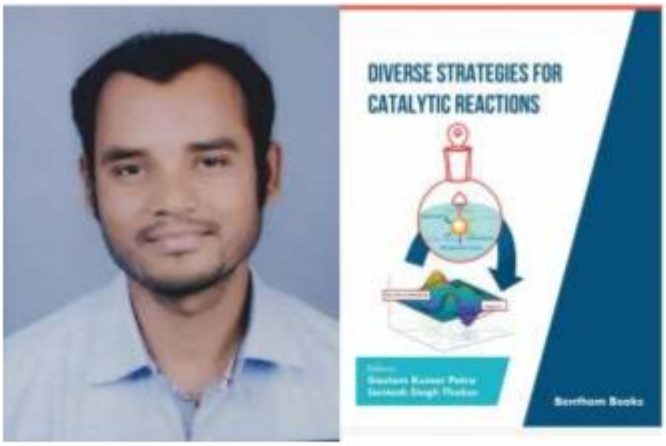

बेंथम साइंस पब्लिशर्स प्राइवेटलिमिटेड द्वारा प्रकाशित पुस्तक "डायवर्स स्ट्रैटेजी फॉर कैटलिस्ट रिएक्शन" । सिंगापुर, एक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन है जिसमें डॉ. हितेश कुमार देवांगन द्वारा लिखित अध्याय का नाम "माइकलर कैटलिस्ट" शामिल किया गया है, जिसमे ये बताया गया है कि माइक्रेलर प्रणाली का दवा वितरण, डिटर्जेंट उद्योग और घुलनशील एजेंट जैसे कई क्षेत्रों में व्यापक अनुप्रयोग है। प्रतिक्रिया तंत्र में यह फॉस्फेट एस्टर को हाइड्रोलाइज करने के लिए क्लीविंग एजेंटों की प्रतिक्रियाशीलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तो, माइक्रेलर उत्प्रेरक पर प्रकाशित पुस्तक अध्याय कई क्षेत्रों में सतह-सक्रिय एजेंटों (सर्फैक्टेंट्स) के तंत्र और अनुप्रयोग को समझने में मदद करता है। एसआरयू परिवार रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हितेश कुमार देवांगन जी को उनके क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई देता है। साथ ही उन्हें अपने जीवन में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं भी देता हैं।

एसी मोटर ड्राइव पर आधारित आईईईई स्कोपस में प्रकाशित शोध पत्र

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री राजेंद्र पटेल का शोध पत्र आई-एसएमएसी (सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड में आईओटी) पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान एसी इंडक्शन मोटर चलाने के लिए सात चरण इन्वर्टर के डिजाइन और विकास के रूप में प्रकाशित हुआ। (आई-एसएमएसी 2023) आईईईई एक्सप्लोर भाग संख्या: सीएफपी23ओएसवी-एआरटी; आईएसबीएन: 979-8-3503-4148-5.

शोध अध्ययन एक नवीन तीन-स्पीड एसी मोटर ड्राइव का प्रस्ताव है जो तीन चरणों का उपयोग होता है। श्रृंखला में चार नियमित 2-स्तरीय वीएसआई को जोड़कर, समान वोल्टेज और वर्तमान विश्लेषण एक डबल 3-चरण इंजन (असंतुलित छह-चरण मशीन) के ओपन-एंड वाइंडिंग को अधिक शक्ति प्रदान कर सकता है। प्रस्तावित नियंत्रण मॉडल को लागू करते समय, इंजन को आपूर्ति की जाने वाली बिजली को प्रत्येक एक्सचेंजिंग चरण पर चार डीसी स्रोतों के बीच विभाजित किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप कई चोटियों के साथ वोल्टेज तरंगें होंगी, जो तीन-स्तरीय इन्वर्टर द्वारा उत्पादित के समान होंगी। प्रस्तावित एसी मोटर ड्राइव की वैधता को सत्यापित करने के लिए आवश्यक सिमुलेशन डेटा भी प्रदान किया गया है।

एसआरयू परिवार मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री राजेंद्र पटेल को उनके विशेष क्षेत्र में परगातिपूर्ण कार्य करने और हमेशा अपने ज्ञान के उपयोगी विकास के लिए अन्य उपलब्धियां जोड़ने के लिए शुभकामनाएं देता है जो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सराहनीय होगी।

छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए ईवी सॉल्यूशन पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर के केंद्र में, सतत विकास और तकनीकी उन्नति की दिशा में एक आशाजनक बदलाव आकार ले रहा है, जो क्षेत्र के शैक्षिक और औद्योगिक परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। छत्तीसगढ़ में ज्ञान और नवाचार के प्रतीक, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने हाल ही में ₹ईवी सॉल्यूशन₹ एक कार्यशाला की मेजबानी की, जिसने रायपुर में विकास और अवसरों के एक रोमांचक युग के लिए मंच तैयार किया है। विश्वविद्यालय में होने वाली कार्यशाला में मॉडर्न टेक, दक्षिण कोरिया से डॉ. हर्ष दुर्गाप्रसाद तिवारी और INKOR टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड रायपुर से डॉ. हनी दुर्गाप्रसाद तिवारी जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के भविष्य के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण साझा किए।) उद्योग। उनकी चर्चाओं का महत्व केवल तकनीकी प्रगति की खोज में नहीं था, बल्कि क्षेत्र के विकास के लिए इन विकासों के व्यापक निहितार्थ में था, विशेष रूप से ईवी क्षेत्र में नीति निर्माण के माध्यम से गैर-इंजीनियरिंग छात्रों के लिए नए कैरियर के रास्ते बनाने में। कार्यशाला में, डॉ. हनी ने ऐसी साझेदारियों के महत्व के बारे में चर्चा की, विशेष रूप से रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ सहयोग पर प्रकाश डाला, इस बात पर प्रकाश डाला कि ये गठबंधन नवाचार और विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कैसे काम कर सकते हैं। मॉडर्न टेक साउथ कोरिया और रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच एक इन-हाउस डेवलपमेंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू)

की घोषणा, जिसमें भारत में INKOR टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ईवी चार्जर विकसित करने की योजना है। एसआरयू इन उद्योग-शैक्षणिक साझेदारियों को बढ़ावा देने में सिर्फ एक भागीदार नहीं बल्कि एक प्रमुख चालक है। छात्रों के लाभ के लिए बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी) के साथ सहयोग करने की उनकी योजना महत्वाकांक्षी और आवश्यक दोनों है। इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से प्रशिक्षण और भर्ती के अवसरों की सुविधा प्रदान करके, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसके छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से कुशल हैं बल्कि उद्योग के लिए भी तैयार हैं। विश्वविद्यालय में ईवी सॉल्यूशनस कार्यशाला रायपुर के अकादमिक और औद्योगिक लीडर के इरादे की घोषणा थी, जो सतत विकास, नवाचार और एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संकेत देती है । श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय और मॉडर्न टेक, INKOR टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योग दिग्गजों का सहयोग इस बात का खाका है कि कैसे क्षेत्र आर्थिक विकास, तकनीकी उन्नति और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा और उद्योग की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

एस.आर.यू में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस) बेंगलुरू के तत्वाधान पर कला संकाय के अंतर्गत योग विभाग द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन किया गया जिसका विषय "योगा वेंच्योर: एंबार्किंग द जर्नी आफ बॉडी, माइंड और सॉल" है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ में मुख्य अतिथि ए.आई.यू नई दिल्ली के चेयरमैन प्रो. जीडी शर्मा शामिल हुए।आयोजन के अंतर्गत तकनीकी सत्र में विभिन्न प्रतिनिधियों ने अपने विषयों में विस्तार पूर्वक पेपर प्रेजेंटेशन दिया जिसमे इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस साइंस (यू .एस .ए) के प्रो. बलराम सिंह ने वर्चुअल माध्यम से तकनीकी सत्र को भी संबोधित किया। आयोजन के शुभारंभ में मुख्य अतिथि के साथ- साथ , विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग सचिव श्री एम. एल पाण्डेय, सम्मानित अतिथि प्रो. भगवंत सिंह(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) और विवि के पूर्व प्रति-कुलाधिपति श्री राजीव माथुर ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए योग के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। आज कई लोगों के पास पैसा है पर वे स्वस्थ नहीं हैं। वे कई मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। योग इन परेशानियों को दूर करने में सक्षम हैं। योग शरीर, मन और आत्मा के लिए आवश्यक है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग बहुत जरूरी है, उक्त विचार एआईयू के चेयरमैन प्रो. जीडी शर्मा ने व्यक्त किया और बताया कि योग भारत का सबसे पुराना स्वास्थ्य अभ्यास है। स्वास्थ्य के लिए उपयोगी होने के कारण आज विश्व के 192 देशों ने योग को अपनाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व योगा दिवस मनाने की शुरूआत की है। वी वि के कुलपति डॉ. एसके सिंह ने कहा कि रावतपुरा विवि ट्रेडिशनल के साथ माडर्न एजुकेशन के लिए प्रतिबद्ध है। यहां के विद्यार्थियों को विज्ञान, धर्म, आध्यात्म की शिक्षा ज्ञान साथ-साथ दी जा रही है। विवि के पूर्व प्रति-कुलाधिपति श्री राजीव माथुर ने कहा कि विश्व में योगा को मान्यता मिलना

भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय का प्रमाण है। आज योग को दर्शन, खेल और उपचार के रूप में मान्यता मिल गई है। योग किसी भी परिस्थितियों को सामना करने की ताकत देता है। योग एक अंतरयात्रा है जो शरीर (प्रकृति) से प्रारंभ होकर चित्त (मन) को परिशुद्ध करती है। चित्त शुद्धि से आत्म साक्षात्कार होता है अर्थात स्वयं या श्मैं श्का बोध होता है। छग योगा आयोग के सचिव श्री एम.एल पाडेंय ने कहा कि योग शारीरिक व्यायाम से परे है। जीवन में तनाव कम करने और मन में शांति स्थापित करने के लिए योग जरूरी है। योग से आत्मा को पोषण मिलती है। प्रो भगवंत सिंह ने कहा कि योग जीवन के लिए महत्वपूर्ण ही नहीं बल्कि आधार है। यह एक सामान्य व्यायाम नहीं है बल्कि एक जीवनशैली है। योग के सहारे भारत के विश्वगुरू बनने की नींव पड़ चुकी है। सेमीनार के संयोजक डॉ. कप्तान सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि योग भारत सबसे शुरूआती बौद्धिक ज्ञान है। यह मनोवैज्ञानिक के साथ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शमा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन अंजना प्रसाद ने कीया। सेमीनार में तीन दिनों सौ से अधिक शोध पत्रों का ऑनलाइन और ऑफलाइन वाचन किया जाएगा। आयोजन में प्रो. आरएल बिराली डॉ. मनीष वर्मा, डॉ. केवल राम चक्रधारी, डॉ. नम्रता चैहान, डॉ. राधिका चंद्राकर सहित अन्य उपस्थित थे। विवि के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने योग से सम्बंधित इस आयोजन की सराहना की।

एसआरयू में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस) बेंगलुरु के तत्वावधान में, योग विभाग (कला संकाय) द्वारा श्योग उद्यम: शरीर, मन और आत्मा की यात्रा शुरू करनाश विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया जिसमें 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सम्मेलन की थीम पर आधारित स्मारिका का भी विमोचन किया गया जिसमें सभी शोध पत्र शामिल हैं। सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेश सिंह, वरिष्ठ प्रोफेसर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) यूपी और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर भरत कुमार तिवारी, योग विभाग, आरडीवीवी जबलपुर (एमपी) ने सम्मेलन में अपने विचार साझा किए। जिसमें दोनों ने मानव जीवन में योग के महत्व को विस्तार से बताया।

सत्र को संबोधित करते हुए एसआरयू के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सत्र के अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य स्वयं अपने विशेष क्षेत्रों में महान अवसरों को बढ़ाने के लिएछात्रों को शामिल करना है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र को यू.एस.ए., इंडोनेशिया, दक्षिण अमेरिका से भी संबोधित किया गया। दो ऑफ़लाइन सत्र और दो ऑनलाइन सत्र सहित कुल चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिनिधि

अपना पेपर प्रस्तुत करते हैं। चौथे तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ओम नारायण तिवारी, डीन योग संकाय (पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार) थे और सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर राजेश सिंह ने की।

मुख्य अतिथि द्वारा कुल 16 प्रतिनिधियों को उनके उप शीर्षकों के आधार पर ऑफ़लाइन और ऑनलाइन मोड के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति और सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपि पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अपने अनुभव भी साझा किये। सम्मेलन के संयोजक डॉ. कप्तान सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि योग भारत का सबसे प्राचीन बौद्धिक ज्ञान है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुलसचिव डॉ.सौरभ कुमार शर्मा ने आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में डॉ.नम्रता चौहान, डॉ.राधिका चंद्राकर उपस्थित रहे तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ.केवल राम चक्रधारी ने किया।

विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर, श्री हर्ष गौतम ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के साथ-साथ सभी प्रतिनिधियों और मुख्य नोट्स वक्ताओं को बधाई दी।

महिला शिक्षकों के मानसिक दबाव और अवसाद पर आधारित शोध पत्र प्रकाशित

समाजशास्त्र विभाग (श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय) की सहायक प्रोफेसर डॉ. अंजलि यादव का शोध पत्र एजुकेशन एंड सोसाइटी (आईएसएसएन 2278-6864) पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। इसका विषय ₹शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की महिला शिक्षकों के मानसिक दबाव एवं अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन (रायपुर शहर के विशेष संदर्भ में)₹ है। जर्नल के इस लेख को यूजीसी केयर ग्रुप द्वारा 6.718 के प्रभाव कारक के साथ पहले, पीयर-रिव्यूड, द्विभाषी, बहु-विषयक संदर्भित जर्नल, वॉल्यूम 48 जनवरी-मार्च के रूप में अनुमोदित किया गया है। इस शोध पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर शहर के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के बीच मानसिक दबाव और अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध पत्र के माध्यम से बताया गया कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में कार्यरत महिलाओं को परिवार एवं पेशे के बीच सामंजस्य स्थापित करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा सामाजिक व्यवस्था की धुरी मानी जाने वाली महिलाएं इन कारणों से मानसिक, भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से प्रभावित हो रही हैं। शोध पत्र में महिलाओं की मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक समस्याओं के लिए भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किये गये हैं। एसआरयू परिवार समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अंजलि यादव को महिला शिक्षक के जीवन में पेशेवर और व्यक्तिगत पहलुओं के रूप में मानसिक दबाव प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बधाई देता है।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम किया गया आयोजित

एसआरयू के विशेष शिक्षा विभाग ने भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के तत्वावधान में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया और शिक्षण रणनीतियों पर ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 100 पुनर्वास प्रतिभागी सीआरई में शामिल हुए। कार्यक्रम और 100 से अधिक विशेष शिक्षा प्रशिक्षु, शिक्षा विभाग के छात्र भी भौतिक मोड में कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. पंकज वर्मा (अतिरिक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) का स्वागत उद्बोधन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के.सिंह ने किया। विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम ने श्री रविशंकर जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित कर उपस्थित सभी ऑनलाइन जुड़े सदस्यों का स्वागत किया। डॉ.पंकज वर्मा (अतिरिक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) ने अपने फैसले में कहा कि मैं सीडब्ल्यूएसएन और समाज के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में हमेशा योगदान दूंगा और मैं दिव्यंगता और सामाजिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय का समर्थन करूंगा। कल्याण। प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव (शिक्षा प्राचार्य) ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को उद्घाटन सत्र के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में श्री राजेश तिवारी (मुख्य-पीआरओ), डॉ. मनीष वर्मा (शिक्षा के डीन) और प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव (शिक्षा के प्राचार्य) सभी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ उपस्थित थे। कुल चार तकनीकी सत्र हुएजिनमें पहला तकनीकी सत्र सुश्री पूर्णिमा साहू, सहायक प्रोफेसर विशेष शिक्षा द्वारा लिया गया, जिसमें सीडब्ल्यूएसएन के शिक्षण और सीखने का संक्षिप्त परिचय दिया गया और दूसरा तकनीकी सत्र सुश्री तृप्ति सारस्वत (विशेष शिक्षा विभागाध्यक्ष) द्वारा लिया गया।) जिसमें सीडब्ल्यूएसएन के लिए शिक्षण रणनीतियों पर विवरण उनके द्वारा साझा किया गया और तीसरे तकनीकी सत्र में सुश्री विद्या भारती (सहायक प्रोफेसर विशेष शिक्षा), सीडब्ल्यूएसएन के लिए शिक्षण विधियों पर और चौथे सत्र में डॉ. प्रेम कुमार (व्याख्याता एनआईईपीआईडी आरसी, कोलकाता) द्वारा लिया गया।) सीडब्ल्यूएसएन के लिए प्रभावी शिक्षण रणनीतियों और शैक्षिक निहितार्थ पर। कार्यक्रम के अंत में आरसीआई द्वारा मूल्यांकन लिया गया। पूरे वेबिनार में हमारा समर्थन करने के लिए हम आरसीआई सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। राष्ट्रगान के साथ वेबिनार का समापन किया और सभी का आभार व्यक्त किया।

शोधार्थी नीलेश साहू और डॉ. संतोष कुमार का यूजीसी-केयर जर्नल-1 बहुरि नहीं आवना में शोध पत्र प्रकाशित

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोधार्थी नीलेश साहू और और उनके शोध निर्देशक डॉ. संतोष कुमार का शोध पत्र बहुप्रतिष्ठित राष्ट्रीय शोध पत्रिका यूजीसी-केयर जर्नल समूह-1 ₹बहुरि नहीं आवना₹ (अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2023, अंक-25, ISSN: 2320-7604) में प्रकाशित हुआ है। शोध पत्र का शीर्षक ₹भारतीय मीडिया में महिलाओं का प्रतिनिधित्व एक अध्ययन₹ है जिसमें भारतीय मीडिया में महिलाओं की स्थिति, भागीदारी और उनके समस्याओं के बारे में शोध है।

शोध पत्र में बताया गया है कि कैसे महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है जिसकी कमी के कारण ख़बरों में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता की कमी दिखती है। साथ ही सोशल मीडिया और वेब मीडिया भी इससे अछूता नहीं रहा। इसलिए महिलाओं की भागीदारी मीडिया चौथे स्तम्भ में बेहद जरुरी हो जाता है। इस शोध पत्र को https://bahurinahiawana.com/ वेबसाइट में ऑनलाइन पढ़ा जा सकता है।

शोध आलेख का प्रकाशन यूजीसी केयर के सूची में शामिल बहुरि नही आवना जैसे प्रतिष्ठित शोध पत्रिका पर होने के इस अवसर पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो एस. के. सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ के.शर्मा ने शोधार्थी नीलेश साहू एवं उनके शोध निर्देशक डॉ संतोष कुमार को हार्दिक बधाई दी एवं जनसंचार विभाग के नित नए उपलब्धियों की सराहना भी की।

एमएसएमई होस्ट संस्थान श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के इंक्यूबेटी का हैकाथन 3.0 (महिला) में परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमिता मंत्रालय (एमएसएमई) होस्ट संस्थान श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर के तत्वाधान में इनक्यूबेटी सुश्री गंगा दाई द्वारा प्रेषित नवाचार प्रस्ताव ₹ईको हार्वेस्ट रेवोल्यूशनाइजिंग सस्टेनेबल फॉर्म-टू-टेबल इकोसिस्टम₹ (आइडिया रेफरेंस नं.- आईडीईएसीजी 017803) को कृषि क्षेत्र में एमएसएमई हैकाथन 3.0 (महिला) के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है जिसके तहत होस्ट संस्थान श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के माध्यम से एमएसएमई द्वारा इनक्यूबेटी को प्रस्तावित परियोजना पूर्ण करने के लिए 15 लाख रुपए दिये जाएंगे। अब श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी एमएसएमई हैकाथन के लिए इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थान बन जायेगा। एमएसएमई हैकाथन 3.0 (महिला) नवाचार आधारित परियोजना प्रस्ताव के लिए एक उच्च-स्तरीय मंच प्रदान करता है, जो उद्यमशीलता के विचारों को प्रोत्साहित करने तथा महिला सशक्तिकरण के लिए नवाचार अवसरों को प्रदान करता है। ध्यातव्य हो कि एमएसएमई हैकाथन 3.0 (महिला) के तहत संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में मात्र तीन परियोजना प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया है जिसमें होस्ट इंस्टिट्यूट एस आर यू के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में प्रेषित एकमात्र परियोजना प्रस्ताव को स्वीकार किया गया है। उपरोक्त सफलता के लिए इनक्यूबेटी सुश्री गंगा दाई और एमएसएमई बिजनेस इनक्यूबेशन इंचार्ज डॉ० आर.पी. राजवाड़े को विश्वविद्यालय के माननीय प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, माननीय कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह एवं कुलसचिव डॉ सौरभ शर्मा ने हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापित किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर के स्कूल ऑफ लॉ द्वारा मूट कोर्ट प्रशिक्षण सत्र का किया गया आयोजन

लॉ विभाग के विद्यार्थियों के लिए मूट कोर्ट प्रैक्टिस के माध्यम से मुद्दों में तथ्य कैसे प्रस्तुत करें, बचाव कैसे करें और वकालत करने के बहुत से तथ्यों को आईटीएम विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर श्रीमती श्यामली नायडू विशेषज्ञ के रूप में लॉ विभाग के विद्यार्थियों को बताया। इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य लॉ विभाग के छात्रों को मूट कोर्ट प्रैक्टिस, कोर्ट रूम शिष्टाचार के बारे में प्रशिक्षित करना था ।छात्रों को प्रशिक्षण में वकालत के समय मुद्दों में तथ्य प्रस्तुत करने और बचाव करने कानून अपराध और आई.पी. सी के धाराओं को किस प्रकार उपयोग कर न्याय दिलाया जा सकता है इसके बारे में बताया गया।प्रशिक्षण सत्र में विद्यार्थियों ने कानून अपराध और उनके समाधान के सम्बन्ध में विशेषज्ञ से बहुत से प्रश्न-उत्तर किए। इस प्रशिक्षण सत्र में बीए.एलएल.बी, बी.कॉम एलएल.बी, एलएलबी के छात्र एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।

कॉलेज के छात्रों में सीखने की तकनीक और तनाव पर आधारित पेटेंट ऑफिस इंडिया के प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

डॉ. मनीष कुमार पांडे एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा लागू पेटेंट की आवेदन संख्या 202411001219 ए के साथ प्रकाशित किया गया और इस आविष्कार का शीर्षक रकॉलेज के छात्रों में स्मार्टफोन की लत, तनाव और अवसाद की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग तकनीकर है।आविष्कार का प्राथमिक उद्देश्य कॉलेज के छात्रों में स्मार्टफोन की लत, तनाव और अवसाद का सक्रिय रूप से अनुमान लगाने और संबोधित करने के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों की क्षमताओं का उपयोग करना है और दूसरा उद्देश्य एक गतिशील और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान प्रदान करना है जो पारंपरिक तरीकों से परे है। मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन. उपयोगकर्ता के अनुकूल एप्लिकेशन या प्लेटफ़ॉर्म में पूर्वानुमानित मॉडल के एकीकरण के माध्यम से, आविष्कार कॉलेज के छात्रों को उनके मानसिक कल्याण का समर्थन करने के लिए समय पर जानकारी और सिफारिशों के साथ सशक्त बनाना चाहता है। अंततः, लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना है। यह आविष्कार मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र से संबंधित है, विशेष रूप से कॉलेज के छात्रों के संदर्भ में।

अधिक विशेष रूप से, यह आविष्कार कॉलेज के छात्रों में स्मार्टफोन की लत, तनाव और अवसाद की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों के अनुप्रयोग से संबंधित है। व्यवहारिक, मनोवैज्ञानिक और स्मार्टफोन उपयोग डेटा का लाभ उठाकर, आविष्कार का उद्देश्य कॉलेज के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप रणनीतियां प्रदान करना है। एसआरयू परिवार राजनीति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार पांडे को छात्रों के पक्ष में तनाव प्रबंधन और सीखने की तकनीक के क्षेत्र में उत्तम कार्य करने हेतु बधाई देता है।

एसआरयु लाइब्रेरी साइंस विभाग के सचिन दीवान का "संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास" पर पुस्तक प्रकाशित

श्री रावतपूरा सरकार विश्विद्यालय के लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस डिपाटमेंट के सहायक प्राध्यापक और लाइब्रेरियन श्री सचिन दीवान का "संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास" पर पुस्तक का प्रकाशन एसोसिएटेड पब्लिशिंग हाउस आगरा द्वारा हुआ। पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिलेबस पर आधारित है जिसमे कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, ग्रुप डिस्कशन, बॉडी लैंग्वेज , साइकोमेट्रिक टेस्ट, इंटरव्यू की तैयारी कैसे करे के बारे में विस्तार से समझाया गया है जो विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास हेतु अत्यंत सहायक सिध्द होगी इस पुस्तक में व्यक्तित्व विकास के सभी पक्षों को आसान शब्दों में समझाया गया है।

यह पुस्तक अमेज़ॉन में ऑनलाइन भी उपलब्ध है । विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम , कुलपति प्रो एस. के सिंह और कुलसचिव डॉ सौरभ शर्मा ने श्री सचिन दीवान को पुस्तक प्रकाशन पर बधाई दी है ।

सी. जी. पी. यू.आर. सी द्वारा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में किया गया निरक्षण

शैक्षणिक सत्र 2023-24 का संपूर्ण निरक्षण करने हेतु छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (सी. जी.पी.यू.आर.सी) की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अंजना शर्मा एवं सदस्य श्री सुशील त्रिवेदी और डॉ. शैलेन्द्र के. तिवारी ने विश्वविद्यालय के प्रबन्धन, शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक स्टाफ से भेट कर उनसे यूनिवर्सिटी में चल रहे कार्य एवं उससे संबंधित नियमावली, पॉलिसी और कार्य के वक़्त मिलने वाली सभी सुविधाओं का ज्याजा लिया ।सर्वप्रथम निरिक्षण टीम ने यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम से भेट कर एसआरयू में चल रहे विभिन्न विषयों और ज्ञान प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की विषय पर चर्चा की और तत्पश्चात यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह एवं कुलसचिव डॉ सौरभ शर्मा से बोर्ड रूम में विस्तार पूर्वक पी.पी.टी के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2023-24 का ब्यौरा लिया। निरिक्षण में सभी सदस्यों ने यूनिवर्सिटी के तरफ से विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ जैसे उत्तम इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षा, लाइब्रेरी, लैब एवं स्टाफ से सम्बन्धित उनके वेतन, मासिक अवकास का भी निरिक्षण किया।

एस.आर.यू में डॉ. सी. वी. रमन की याद पर मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में रमन इफ़ेक्ट के अविष्कारक नोबेल प्राइज विजेता डॉ. सी. वी. रमन के याद में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञानं दिवस। आयोजन की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) अंजना शर्मा ने अपने विचार व्यक्त कर सभी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा की अलग-अलग थीम के साथ इस दिन को मनाने का उद्देश्य हमारे देश के वैज्ञानिकों को सामाजिकता के साथ मिलकर मानव विकास के क्षेत्र में काम करना है। यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में "वन अर्थ वन फॅमिली वन फ्यूचर" में ध्यान केन्द्रित करते हुए कहा की यूनिवर्सिटी मानव छात्रों को आधारित ज्ञान प्रदान कर रहा है और समाज, राष्ट्र और विश्व के प्रति संवेदनशील बना रहा है। कार्यक्रम में विज्ञान विभाग की अधिष्ठाता अनुभूति कोशले और सभी स्टाफ मेम्बर उपस्थित थे।

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

Scan For Admission

7222910411

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) India

www.sruraipur.ac.in / sruraipurindia /shrirawatpurasarkar

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम	**प्रो. एस. के. सिंह**	**डॉ. सौरभ कुमार शर्मा**
प्रति - कुलाधिपति	कुलपति	कुलसचिव
प्रधान संपादक	संपादक	ग्राफिक्स डिज़ाइन
राजेश तिवारी	**शुभम नामदेव**	**दिनेश कुमार सिन्हा**